RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 112
दि. 22.08.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने फोन पर की बात, रूस-यूक्रेन युद्ध समेत इन मुद्दों पर हुई चर्चा

(जीएनएस)।

पीएम मोदी ने बातचीत को लेकर एक्स पर जानकारी शेयर की. दोनों नेताओं ने खासतौर पर यूक्रेन और वेस्ट एशिया में जारी संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं पर विचार साझा किए और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का संकल्प दोहराया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच अंतरराष्ट्रीय हालात को लेकर गुरुवार को अहम बातचीत हुई. दोनों नेताओं ने खासतौर पर यूक्रेन और वेस्ट एशिया में जारी संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं पर विचार साझा किए और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का संकल्प दोहराया.

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई. हमने यूक्रेन और वेस्ट एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचार साझा किए और भारतझफ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.'

मैक्रों ने भी इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी. उन्होंने हिंदी में लिखी अपनी पोस्ट में बताया, "मैंने अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से बातचीत की. हमने यूक्रेन युद्ध पर अपनी स्थितियों का समन्वय किया ताकि एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की ओर बढ़ सकें, यूक्रेन के लिए ठोस सुरक्षा गारंटि और यूरोप की सुरक्षा के साथ. व्यापार संबंधी मुद्दों पर, हमने अपने वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने और सभी क्षेत्रों में अपनी सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की."

उन्होंने आगे लिखा, "यही हमारी संप्रभुता और स्वतंत्रता की कुंजी है. फरवरी में पेरिस में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की निरंतरता में, हम 2026 में नई दिल्ली में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए कार्य कर रहे हैं. एक अधिक प्रभावी बहुपक्षवाद के लिए, हमने 2026 में जी7 की फ्रांसीसी अध्यक्षता और ब्रिक्स की भारतीय अध्यक्षता को ध्यान में रखते हुए निकट समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की है." फ्रांस ने बुधवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा लगाए गए यहूदी-विरोधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया. पेरिस स्थित एलिसी पैलेस ने इन आरोपों को घृणित और भ्रामक बताया और कहा कि फ्रांस हमेशा अपने यहूदी नागरिकों की सुरक्षा करता आया है और करता रहेगा.

'दंगे भड़काते थे पीडीए वाले', सीएम योगी बोले- कल्याण सिंह ने किसी रामभक्त पर आंच नहीं आने दी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित हिन्दू गौरव दिवस कार्यक्रम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ कहा कि 'बाबूजी' (कल्याण सिंह) का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और जनता की सेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह की विरासत ही आज राज्य के विकास की आधारशिला बनी है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'बाबूजी का जन्म अलीगढ़ जिले के एक छोटे से किसान परिवार में हुआ था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें बचपन में ही राष्ट्रीयता के संस्कार मिले। शिक्षक के रूप में और फिर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपना जीवन भारत माता और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। आज उनकी पुण्यतिथि पर प्रदेश की जनता की ओर से, हर रामभक्त की ओर से और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय राजनीति में बाबूजी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने अपने आदर्शों की अमिट छाप छोड़ी। सीएम योगी ने कहा, 'सन 1990 में जब उत्तर प्रदेश की स्थिति बिगड़ी हुई थी, तब उन्होंने कानून का राज स्थापित कर सुशासन का लक्ष्य सामने रखा। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने विरासत और विकास की यात्रा को साथ-साथ आगे बढ़ाने का काम किया। कांग्रेस ने 1992 में अलोकतांत्रिक तरीके से उनकी सरकार को बर्खास्त किया था। उस कठिन समय में उन्होंने बिना देर किए राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए अपने पद का बलिदान दिया।'

सीएम योगी ने कहा, 'जब विवादित ढांचा गिरा, तब कल्याण सिंह जी ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। उन्होंने कहा कि किसी रामभक्त को आंच नहीं आनी चाहिए। उन्होंने साहस दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। आज उत्तर प्रदेश में जो विकास, सुशासन और सुरक्षा का वातावरण बना है, उसकी आधारशिला बाबूजी ने 1990 और 1996 के कार्यकाल में रखी थी।'

भारत दौरे पर पहली बार आएंगे फिजी के पीएम राबुका, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मुर्मु से करेंगे मुलाकात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका 24-26 अगस्त को वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत का दौरा करेंगे। यह उनका पहला भारत दौरा होगा और इस दौरान वह पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि फिजी के पीएम सिटिवेनी लिगामामादा राबुका के साथ उनकी पत्नी, सुलुएती राबुका भी होंगी। प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं के मंत्री रतु एटोनियो लालाबालावु और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

यह प्रधानमंत्री राबुका का पहला भारत दौरा होगा। इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री राबुका 25 अगस्त, 2025 को पीएम मोदी के साथ बातचीत करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी उनके सम्मान में एक लंच का आयोजन करेंगे।

फिजी के पीएम के नई दिल्ली में भारतीय विश्व मामलों की परिषद में 'शांति का महासागर' पर एक व्याख्यान देने की उम्मीद है। पीएम राबुका नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मु ने अगस्त, 2024 में फिजी का दौरा किया था।

पीएम मोदी ने 2014 में किया था फिजी का दौर

उल्लेखनीय है कि 19 नवंबर, 2014 को फिजी का दौरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दौरा न केवल भारत-फिजी संबंधों के लिए, बल्कि भारत के सभी प्रशांत द्वीप देशों के साथ संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था। इस दौरे के दौरान फिजी के साथ तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे।

पौड़ी का सेब अब दुबई में भी महकेगा, जानिए क्यों खास है किंग रोट किस्म का सेब, ये है प्लानिंग

उत्तराखंड के पौड़ी का सेब अब दुबई में भी महकेगा। इसके बाद सेब के साथ बासमती, मोटे अनाज, शहद, फल व सब्जियों पर भी फोकस किया जाएगा। देहरादून से दुबई के लिए 1.2 मीट्रिक टन गढ़वाली सेब की पहली खेप रवाना की गई।

पौड़ी गढ़वाल की पहाड़ियों में उगने वाले सेब, विशेष रूप से किंग रोट किस्म, अपने कुरकुरेपन, स्वाद और प्राकृतिक मिठास के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके बावजूद, बागवानों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचने में आधारभूत ढाँचे, संपर्क और फसल-उपरांत प्रबंधन की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

ट्रम्प के टैरिफ तनाव के बीच पुतिन से मिले जयशंकर

(जीएनएस)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान भारत ने रूस के साथ द्विपक्षीय व्यापार के महत्व पर जोर दिया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत-रूस संबंधों को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे स्थिर रिश्तों में से एक बताया। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है।

जयशंकर ने रूसी कंपनियों से भारतीय भागीदारों के साथ अधिक गहनता से काम करने की अपील की। उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार को और अधिक विविध बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने लॉजिस्टिक बाधाओं को दूर करने और गैर-टैरिफ रुकावटें हटाने की बात कही।

वहीं रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी भारत-रूस संबंधों को एक विशेष रणनीतिक साझेदारी करार दिया। जयशंकर ने कहा कि लावरोव के साथ उनकी बैठक राजनीतिक संबंधों और द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा का एक अच्छा अवसर थी।

विदेश मंत्री ने रूस के फर्स्ट डिप्टी पीएम डेनिस मंटुरोव के साथ भी बातचीत की। इस दौरान नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, नॉर्दर्न सी

किन-किन अहम मुद्दों पर हुई बात

रूट और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। जयशंकर ने कहा कि उनका मंत्र 'अधिक करना और अलग तरीके से करना' होना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी बातचीत की थी। इस बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में जब उनसे अमेरिकी शुल्कों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अमेरिका के तर्क पर सवाल उठाया। जयशंकर ने कहा कि वे इस तर्क को लेकर "बेहद हैरान" हैं।

मोदी सरकार रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रही है और चीन के साथ भी संबंध सुधारने पर काम कर रही है। यह सब तब से हो रहा है जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी नई, अंदरूनी व्यापार और विदेश नीति के तहत भारत पर सबसे अधिक शुल्क लगाए थे। रूस जाने से पहले, जयशंकर ने नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी।

वर्तमान में, भारतीय निर्यात पर 25% अमेरिकी शुल्क प्रभावी हो चुका है, और इस महीने के अंत तक 25% का एक और "जुमार्ना" शुल्क लगने वाला है। इस स्थिति ने भारत की "संतुलन साधने" की रणनीति को उजागर किया है, जिसमें वह पुतिन को "मित्र" बता रहा है और चीन के साथ संबंध मजबूत कर रहा है।

तेल आयात के मामले में भारत रूस से तेल खरीदने में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है, लेकिन अमेरिका ने अभी तक चीन पर ऐसे प्रतिबंध नहीं लगाए हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री ने हाल ही में इसे यह कहकर सही ठहराया था कि चीन के विपरीत, भारत ने युद्ध के बाद रूसी तेल आयात में भारी वृद्धि की है और वह तेल को फिर से बेचकर "मुनाफा कमा" रहा है।

जयशंकर ने लावरोव के साथ संयुक्त ब्रीफिंग में इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा, "हम एक ऐसा देश हैं जिसे अमेरिकी पिछले कुछ सालों से कह रहे हैं कि वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए हमें सब कुछ करना चाहिए, जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है। संयोग से, हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं, और उसकी मात्रा बढ़ी है। इसलिए, ईमानदारी से कहें तो, हमें उस तर्क पर बहुत हैरानी है जिसका आपने (मीडिया ने) जिक्र किया।"

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में व्लादिमीर पुतिन की प्रशंसा और बीजिंग के साथ दिल्ली के नए सिरे से जुड़ाव से संकेत मिलता है कि भारत इन अभूतपूर्व शुल्क वृद्धि के कारण अमेरिका से दूर होता जा रहा है। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के प्रयास में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपने महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन के बाद मोदी को फोन किया था, जिसमें मोदी ने रूसी नेता को "मित्र" बताया।

मध्य प्रदेश में सियासी भगदड़, आधे कांग्रेसी बीजेपी छोड़ कांग्रेस में वापसी को बेताब!

मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर हलचल मच गई है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हुए कांग्रेसी नेताओं में से आधे अब अपनी पुरानी पार्टी में वापसी की जुगत में हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी और महासचिव डॉ संजय कामले ने वरिष्ठ पत्रकार रवि जैन के साथ विशेष बातचीत में यह सनसनीखेज दावा किया है।

उनके मुताबिक, बीजेपी में गए करीब 750 नेताओं ने औपचारिक रूप से कांग्रेस कार्यालय में वापसी के लिए आवेदन जमा किए हैं।

जीएसटी में खत्म होंगे 12%-28% वाले स्लैब, वित्त मंत्रियों के समूह की मंजूरी, आम लोगों को क्या फायदा?

(जीएनएस)।

भारत में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी हो चुकी है। केंद्रीय सरकार और राज्यों के वित्त मंत्रियों के समूह (GoM) ने जीएसटी स्लैब को सरल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मौजूदा चार स्लैब अब केवल दो स्लैब 5% और 18% में बदल दिए जाएंगे। यह कदम टैक्स सिस्टम को आसान, पारदर्शी और कॉम्प्लायंस को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बैठक में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में यूपी, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और केरल के मंत्री भी मौजूद थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नया सिस्टम आम जनता, किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए लाभकारी होगा। इसके अलावा हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी में छूट देने का प्रस्ताव भी रखा गया।

स्लैब में कटौती - विस्तार से समझें

GST के मौजूदा सिस्टम में चार टैक्स स्लैब थे - 5%, 12%, 18% और 28%। लेकिन वित्त मंत्रियों के समूह (GoM) की हालिया बैठक में यह तय किया गया कि अब केवल दो स्लैब रहेंगे - 5% और 18%।

पहले की व्यवस्था

5%: जरूरी वस्तुएं जैसे अनाज, दूध, दालें, दवाइयां आदि।

12%: मिड कैटेगरी की चीजें।

18%: आम सेवाएं और सामान।

28%: लक्जरी और सिन गुड्स (शराब, तंबाकू, जुआ आदि)।

नई व्यवस्था

5% स्लैब: अब भी जरूरी सामान और सेवाओं पर लागू होगा। इसमें 12% स्लैब के कई आइटम शामिल कर दिए जाएंगे।

18% स्लैब: आम कैटेगरी के सामान और सेवाओं पर लागू होगा। इसमें 28% स्लैब वाले लगभग 90% 90% सामान शामिल होंगे।

1. 5% स्लैब (कम टैक्स वाला स्लैब) इस स्लैब में जरूरी वस्तुएँ और आम सेवाएँ शामिल हैं। उद्देश्य यह है कि रोजमर्रा के सामान पर टैक्स कम हो और आम आदमी की जेब पर बोझ न पड़े।

भारत-पाकिस्तान मैच पर सरकार ने तोड़ी चुप्पी! क्या एशिया कप में होगा मुकाबला? हो गया फैसला

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते हमेशा संवेदनशील रहे हैं। राजनीति, सुरक्षा और कूटनीति के अलावा खेल भी इन दोनों देशों के संबंधों का अहम हिस्सा है। भारत सरकार ने गुरुवार यानी 21 अगस्त को एक नई खेल नीति की घोषणा की है, जिसमें पाकिस्तान से जुड़े अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों पर साफ रुख पेश किया गया है।

इस नीति के मुताबिक भारतीय टीमें अब भी उन मल्टीनेशनल टूनार्मेंट्स में हिस्सा लेंगी, जिनमें पाकिस्तान भी खेल रहा होगा, लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज पूरी तरह से बंद रहेगी। खेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत एशिया कप 2025 में हिस्सा लेगा। यह टूनार्मेंट 9 सितंबर से यूएई में शुरू होगा और 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस बार दोनों टीमें तीन बार तक आमने-सामने हो सकती हैं।

सरकार ने किया साफ

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत का खेलों को लेकर रुख उसकी समग्र विदेश नीति को दशार्ता है। पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी, न ही भारतीय टीमें पाकिस्तान जाएंगी और न ही पाकिस्तान की टीमें भारत आएंगी। हालांकि, मल्टीनेशनल टूनार्मेंट जैसे एशिया कप या वर्ल्ड कप में भारत हिस्सा लेगा क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के नियमों के तहत आते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा था विरोध

इस फैसले के बाद लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि भारत एशिया कप से हट सकता है। अगर ऐसा होता, तो टूनार्मेंट रद्द होने की नौबत आ सकती थी। दिलचस्प बात यह है कि 2023 में भारत ने पाकिस्तान जाकर एशिया कप खेलने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद 'हाइब्रिड मॉडल' अपनाया गया और भारत के मैच श्रीलंका में हुए। अब भी यही व्यवस्था जारी रहेगी।

14 सितंबर को होगा भारत-पाक मैच

सरकार का मानना है कि खिलाड़ियों के हित में मल्टीनेशनल इवेंट्स को रोका नहीं जा सकता। हालांकि, किसी भी सूरत में पाकिस्तान को भारतीय जमीन पर खेलने की अनुमति नहीं मिलेगी। यह नीति 2027 तक लागू रहेगी और अन्य खेलों के लिए भी यही नियम अपनाया जाएगा। अब सबकी नजरें 14 सितंबर पर हैं, जब भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला एक बार फिर क्रिकेटप्रेमियों का दिल जीतने को तैयार है।

सम्पादकीय

विपक्ष के आरोप निराधार-आयोग

आखिर भारत के चुनाव आयोग ने चुनावी सवालों के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस तो की पर ज्वलंत सवालों के जवाबों को टालने पर ज्यादा जोर दिया गया। बेहतर होता कि चुनाव आयोग यह प्रेस कांफ्रेंस न करता। प्रेस कांफ्रेंस भी उस दिन की गई जब रविवार था और उसी दिन दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रोड शो चल रहा था और बिहार के सासाराम में राहुल गांधी की वोट चोरी यात्रा आरंभ हो रही थी। नतीजा यह हुआ कि इस प्रेस कांफ्रेंस ने नए सवालों को जन्म दे दिया। लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चलाने की वैधता हासिल करना नहीं, बल्कि यह उस चुनाव की बुनियाद का प्रमुख स्तंभ है, जिस पर देश, राज्य व लोकतंत्र का दारोमदार टिका हुआ है। इस प्रक्रिया के स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से पारदर्शिता से संपन्न कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है। रविवार को चुनाव आयोग ने विपक्षी राजनीतिक दलों के वोट चोरी से जुड़े आरोपों के जवाब दिए। प्रेस कांफ्रेंस के बाद कांग्रेस ने कहा कि इस प्रेस कांफ्रेंस में विपक्ष के उठाए सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार चुनाव से ठीक पहले भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट देने का अधिकार छीन रही है। आरजेडी ने यह सवाल उठाया कि एसआईआर ऐसे समय क्यों की जा रही है जब बिहार में बाढ़ आई हुई है। पत्रकारों ने चुनाव आयोग से सवाल पूछा था। इस पर आयोग ने कहा, बिहार में 2003 में भी एसआईआर हुआ था और उसकी तारीख भी 14 जुलाई से 14 अगस्त थी। तब भी यह सफलतापूर्वक हुआ था। राहुल गांधी ने दावा किया था कि 2004 के लोकसभा और महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरपेर हुआ, जिससे भारतीय जनता पार्टी को फायदा हुआ। विशेष रूप से, उन्होंने बेंगलुरु की महादेवपुरा विधानसभा में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर और कई अमान्य पतों का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने डुप्लीकेट वोटरों (जैसे एक ही व्यक्ति का कई राज्यों में वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन) और गलत पतों (जैसे एक छोटे से कमरे में सैंकड़ों वोटर) के उदाहरण दिए थे। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को निराधार और गैर जिम्मेदाराना बताते हुए खारिज किया और कहा कि वोट चोरी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करोड़ों मतदाताओं, लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला है। क्या राहुल गांधी के सवालों का यही जवाब था? राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि चुनाव आयोग उनसे शपथ पत्र मांग रहा है, मुझसे एफीडेविट मांगा है जबकि वुछ दिन पहले ही भाजपा के लोग प्रेस कांफ्रेंस करते हैं तो उनसे कोई एफीडेविट नहीं मांगा जा रहा है। ज्ञानेश वुमार ने जवाब दिया, जहां आप गड़बड़ी की बात कर रहे हैं और आप उस विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक नहीं हैं तो कानून के मुताबिक आपको शपथ पत्र देना होगा। आयोग का कहना है कि हलफनामा देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। अगर सात दिनों के अंदर हलफनामा नहीं मिलता है तो इसका मतलब है कि ये सभी आरोप निराधार हैं। पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग ने विपक्ष के सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया।

खेड़ा ने कहा क्या ज्ञानेश वुमार ने उन लाख वोटर्स के बारे में कोई जवाब दिया जिन्हें हमने महादेवापुरा में बेनकाब किया था? नहीं दिया। उन्होंने कहा, हमने उम्मीद की थी कि श्री ज्ञानेश कुमार हमारे प्रश्नों के उत्तर देंगे.. ऐसा लग रहा था कि (प्रेस कांफ्रेंस में) भाजपा का एक नेता बोल रहा है। वरिष्ठ पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता चुनाव आयोग की इस प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद थे। उनका मानना है कि फिलहाल जो सफाई चुनाव आयोग ने दी है उससे यह मुद्दा खत्म होते नहीं दिखाई दे रहा है। ठाकुरता कहते हैं, प्रेस कांफ्रेंस में वुछ सवालों के स्पष्ट जवाब नहीं मिले है। जैसे मैंने पूछा कि क्या यह सच है कि महाराष्ट्र में आपने 40 लाख नए लोगों को वोटर लिस्ट में शामिल किया? इस पर आयोग ने कहा कि उस समय किसी ने आपत्ति दर्ज नहीं कराई थी। मैंने एक और सवाल पूछा कि क्यों लोगों से ज्यादा नाम मतदाता सूची में थे तो इसका जवाब मुझे नहीं मिला। इस तरह से कई और सवाल हैं जिनके स्पष्ट जवाब नहीं मिले हैं। चुनाव आयोग ने बिहार ड्राफ्ट लिस्ट से करीब 65 लाख मतदाता हटाए हैं। यह एक बड़ी संख्या है, इसका कोई जवाब नहीं मिला।

उत्तर गुजरात की सहकारिता शक्तिः गाँव से वैश्विक बाजार तक डेयरी विकास की गाथा

- बनास डेयरी एशिया की अग्रणी डेयरी सहकारिताः ₹21,200 करोड़ कारोबार, 1 करोड़ लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण
- नवाचार और गुणवत्ता की मिसाल है दूधसागर डेयरीः ₹8,054 करोड़ कारोबार, 34.88 लाख लीटर प्रतिदिन संग्रह
- उत्तर गुजरात की डेयरी शक्ति का स्तंभ है साबर डेयरीः ₹8,939 करोड़ कारोबार, 33.53 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता
- प्रधानमंत्री मोदी के विजन से साकार हुआ उत्तर गुजरात का विश्वस्तरीय डेयरी सहकारिता मॉडल, VGRC में होगा प्रदर्शित

गांधीनगर, 21 अगस्त : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्राथमिक संकल्प रहा है कि देश के पशुपालक और किसान सशक्त हों, उन्हें न्यायसंगत मूल्य, आधुनिक सुविधाएँ और स्थायी आय का स्रोत मिले। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने यह दूरदृष्टि रखी थी कि डेयरी सहकारिता केवल दूध उत्पादन का माध्यम न होकर ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार बने, और आज मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल उसी संकल्प को नीतिगत प्रोत्साहन, अवसंरचना निवेश और निर्यात-उन्मुख योजनाओं के माध्यम से साकार कर रहे हैं।

इसी दृष्टिकोण का सजीव उदाहरण है उत्तर गुजरात का डेयरी क्षेत्र, जहाँ बनासकांठा, मेहसाणा और साबरकांठा की सहकारिताएँ अपनी प्रोसेसिंग क्षमता, कोल्ड-चेन अवसंरचना और नवाचार को अभूतपूर्व गति से बढ़ा रही हैं, जिससे उत्तर गुजरात ग्रामीण आजीविका और विकास की सशक्त अर्थव्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। बनास डेयरी (बनासकांठा), दूधसागर डेयरी (मेहसाणा) और साबर डेयरी (साबरकांठा) दूध प्रसंस्करण और वैल्यू-ऐडेड उत्पादों के निर्यात में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी हैं, और ये सभी सहकारिताएँ गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMMF) के अंतर्गत 'अमूल' ब्रांड के तहत अपने उत्पादों का विपणन करती हैं।

बनास डेयरी एशिया की अग्रणी डेयरी सहकारिताः ₹21,200 करोड़ कारोबार, 1 करोड़ लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण

बनास डेयरी, एशिया की सबसे बड़ी डेयरी सहकारिताओं में से एक, 1969 में स्थापित हुई और इसका मुख्यालय गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर में स्थित है। वित्त वर्ष 2024-25 में ₹21,200 करोड़ से अधिक के कारोबार के साथ, यह सहकारिता भारत के डेयरी उद्योग में अग्रणी स्थान रखती है। 1 करोड़ लीटर से अधिक प्रतिदिन दूध प्रसंस्करण क्षमता और गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में फैली 20 अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों के बल पर, बनास डेयरी ने विशाल भौगोलिक और परिचालन विस्तार हासिल किया है।

1,600 से अधिक दूध सहकारी समितियों और 4 लाख से अधिक किसानों की सहभागिता इसे ग्रामीण विकास और किसान सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बनाती है। इसका उत्पाद पोर्टफोलियो पारंपरिक डेयरी उत्पादों से आगे बढ़कर शहद और खाद्य तेलों जैसे विविध उत्पादों को भी शामिल करता है। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के साथ बायोगैस संयंत्र में सफल सहयोग ने स्थिरता और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में इसकी प्रतिबद्धता को और सशक्त किया है।

नवाचार और गुणवत्ता की मिसाल है दूधसागर डेयरीः ₹8,054 करोड़ कारोबार, 34.88 लाख लीटर प्रतिदिन संग्रह

मेहसाणा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, जिसे व्यापक रूप से दूधसागर डेयरी के नाम से जाना जाता है, 1960 में स्थापित हुई और तब से मेहसाणा को डेयरी नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। वित्त वर्ष 2024झ25 में लगभग ₹8,054 करोड़ के कारोबार के साथ, यह सहकारिता अपनी उल्लेखनीय वृद्धि का प्रमाण देती है। मात्र 3,300 लीटर प्रतिदिन दूध संग्रह से शुरूआत कर, आज दूधसागर डेयरी प्रतिदिन 34.88 लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रह और प्रसंस्करण कर रही है। मजबूत सहकारी नेटवर्क और उन्नत तकनीक के बल पर यह डेयरी दूध व विभिन्न डेयरी उत्पादों का उत्पादन करती है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में उच्च गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतरते हैं। अत्याधुनिक कोल्ड-चेन और सख्त गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली ने इसे निरंतर आपूर्ति, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाए रखने में सक्षम बनाया है।

उत्तर गुजरात की डेयरी शक्ति का स्तंभ है साबर डेयरीः ₹8,939 करोड़ कारोबार, 33.53 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता

साबरकांठा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, जिसे व्यापक रूप से साबर डेयरी के नाम से जाना जाता है, प्रतिदिन 33.53 लाख लीटर दूध संभालने की क्षमता के साथ भारत के अग्रणी दूध प्रसंस्करण संस्थानों में से एक है। देश के कई राज्यों में फैले संचालन और वित्त वर्ष 2023झ24 में लगभग ₹8,939 करोड़ के कारोबार के साथ, साबर डेयरी ने दूध, घी, मक्खन और चीज जैसे उत्पादों में उत्कृष्ट गुणवत्ता और भरोसेमंद ब्रांड छवि स्थापित की है। ताजगी और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इसने निरंतर अत्याधुनिक प्रसंस्करण संयंत्रों और मजबूत कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स में निवेश किया है, जिससे यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा के अग्रणी पायदान पर बनी हुई है।

VGRC में प्रदर्शित होगा उत्तर गुजरात का विश्वस्तरीय डेयरी सहकारिता मॉडल

बनास, दूधसागर और साबर डेयरी उत्तर गुजरात के डेयरी सहकारिता मॉडल की सशक्तता का प्रतीक हैं। न्यायसंगत मूल्य, सालभर दूध की खरीद और अवसंरचना विस्तार—जैसे कोल्ड-चेन, बायोगैस संयंत्र और मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं में निवेश ने लाखों पशुपालकों की आजीविका को स्थायित्व दिया है।

'लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करो', किसने की मांग?

(जीएनएस)।

कनाडा के कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिएवरे ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग की है। यह मांग उन्होंने बुधवार को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक कार्यक्रम के दौरान उठाई। पोइलिएवरे ने अल्बर्टा के बैटल रिवर-क्रोफुट निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव में शानदार जीत हासिल की है और सितंबर में सदन के फिर से शुरू होने पर वे अपनी सीट पर लौटेंगे।

'लिबरल ने दी है बिश्नोई गैंग को छूट'

पोइलिएवरे ने इस मुद्दे को उठाने के लिए ट्विटर (अब एक्स) का भी सहारा लिया था। 11 अगस्त को, उन्होंने एक्स पर लिखा, "लिबरल ओपन बॉर्डर इमिग्रेशन ने बिश्नोई आतंकवादियों और गैंगस्टरों को कनाडा आने और हमारे समुदायों को आतंकित करने की अनुमति दी है। कंजर्वेटिव पार्टी की मांग हैः बिश्नोई आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाओ; उनके सभी सदस्यों को तुरंत गिरफ्तार करो और निर्वासित करो।"

बिश्नोई का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क है, जो हिंसा, रंगदारी, मादक पदार्थों की तस्करी और लक्षित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है, इसमें कनाडा में हुई वारदातें भी शामिल हैं। कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा जारी एक बयान में, पोइलिएवरे ने गिरोह को "एक आतंकवादी इकाई" के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग की, ताकि पुलिस और अभियोजकों को "कनाडावासियों को धमकी देने वाले इस हिंसक, अंतरराष्ट्रीय रंगदारी नेटवर्क को खत्म करने के लिए मजबूत उपकरण" मिल सकें।

ट्रूडो की सरकार में बढ़ा क्राइम

बयान में कहा गया है कि कनाडा में रंगदारी (ए७३ङ्ग१३ङ्गल्ल) "सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक बन गया है", जिसमें पुलिस छोटे व्यवसाय मालिकों, खासकर ब्राम्पटन, सरे, वैंकूवर और कैलगरी जैसे समुदायों में, के खिलाफ खतरों की लहरों की रिपोर्ट कर रही है। बयान में आरोप लगाया

गया कि कनाडा में "अपराध और अराजकता" फैल रही है, और 2015 में प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व में लिबरल पार्टी के सत्ता में आने के बाद से "हिंसक अपराध में 54% की वृद्धि हुई है। यौन हमलों में 75% की वृद्धि हुई है। रंगदारी में 330% की वृद्धि हुई है।"

रंगदारों की बढ़े सजा

पार्टी ने सरकार से अनिवार्य जेल समय को बहाल करने और मजबूत करने के लिए कहा, ताकि रंगदारों को कम से कम तीन साल की सजा हो, अगर इसमें बंदूक शामिल हो तो चार साल, और संगठित अपराध से जुड़ा होने पर पांच साल की सजा हो, जिसमें आगजनी को सजा में एक गंभीर कारक माना जाए। उन्होंने सरकार से "कैच-एंड-रिलीज कानूनों" को रद्द करने और "हिंसक अपराधियों को सलाखों के पीछे रखने और घूमती हुई न्याय प्रणाली को समाप्त करने" की भी मांग की।

रंगदारों को ट्रूडो ने दी शह-पोइलिएवरे

पोइलिएवरे ने कहा, "इस लिबरल सरकार ने कड़े कानूनों को ध्वस्त कर दिया, जेल की सजा को कम कर दिया, और गिरोहों तथा रंगदारों को हमारी सड़कों पर राज करने दिया।" यह पहली बार नहीं है कि पोइलिएवरे ने इस मुद्दे को उठाया है। इस बीच, कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसंगरी ने कहा है कि ऐसी पदनाम के लिए "कानूनी सीमा" को पूरा करना होगा, लेकिन मामला देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के विचाराधीन है।

'टारगेट किलिंग के लिए जिम्मेदार लॉरेंस'

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की नेता और ब्रिटिश कोलंबिया के उनके समकक्ष ने संघीय सरकार से ऐसी पदनाम के लिए जुलाई में आ'ान किया था। एक बयान में, अल्बर्टा के प्रीमियर डेनिएल स्मिथ और प्रांत के सार्वजनिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं के मंत्री माइक एलिस ने कहा था, "लॉरेंस बिश्नोई गिरोह एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क है, जो हिंसा, रंगदारी, मादक पदार्थों की तस्करी और लक्षित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है, जिसमें कनाडा में भी शामिल हैं। इसकी पहुंच वैश्विक है, और इसका इरादा आपराधिक और हिंसक है।" बीसी प्रीमियर डेविड एब्बी ने भी जून में ओटावा से इसी तरह की बात कही थी।

गोल्डी बराड पर कार्रवाई की मांग

भारत ने भी कनाडा से संचालित बिश्नोई गिरोह के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जिसमें सतेंदरजीत सिंह, जिन्हें गोल्डी बराड़ के नाम से जाना जाता है, भी शामिल हैं। बराड़ मई 2022 में पंजाबी गायक और राजनेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संबंध में वांछित है।

रोहित शर्मा हैं ड्रेसिंग रूम के असली बॉस, राहुल द्रविड़ ने हिटमैन को बताया सच्चा कप्तान

(जीएनएस)।

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने हाल ही में रोहित शर्मा की कप्तानी की जमकर तारीफ की। आर अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान द्रविड़ ने रोहित की लीडरशिप को लेकर कई अहम बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा कि रोहित सिर्फ कप्तान नहीं थे, बल्कि एक ऐसे लीडर थे जो टीम के लिए जीते थे।

द्रविड़ ने बताया कि रोहित का सबसे बड़ा गुण था टीम के लिए गहरी सोच और साफ विजन। पूर्व कोच ने कहा कि पहले दिन से ही रोहित को पता था कि वह टीम को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। उन्हें यह भी पता था कि जीत के लिए किन चीजों पर फोकस करना जरूरी है। यह स्पष्टता ही उनके और रोहित के बीच मजबूत तालमेल का कारण बनी।

ड्रेसिंग रूम के माहौल को रखते थे पॉजिटिव

राहुल द्रविड़ ने कहा कि वह हमेशा मानते हैं कि कप्तानी करने वाले

कोच नहीं, बल्कि कप्तान होना चाहिए। द्रविड़ ने कहा कि मैंने हमेशा यही सोचा कि टीम को कप्तान के हिसाब से चलना चाहिए। कोच का काम उसे सपोर्ट करना है। रोहित के मामले में यह आसान था, क्योंकि वह अपनी बातों में स्पष्ट थे। उन्होंने आगे बताया कि रोहित न सिर्फ रणनीतिक रूप से मजबूत थे, बल्कि ड्रेसिंग रूम के माहौल को भी पॉजिटिव बनाए रखने पर जोर देते थे।

इस वजह से जीता वर्ल्ड कप

द्रविड़ ने आगे कहा कि रोहित ने शुरूआत से ही तय कर लिया था कि टीम का माहौल कैसा होना चाहिए। उन्होंने ऐसा वातावरण बनाया, जिसमें खिलाड़ी खुलकर खेल सकें और दबाव महसूस न करें। राहुल द्रविड़ के मुताबिक, रोहित के पास वर्षों का अनुभव था, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ। चाहे मुश्किल हालात हों या बड़े टूनार्मेंट, रोहित ने हमेशा संयम और स्पष्टता के साथ फैसले लिए।

यही वजह है कि उनकी कप्तानी में भारत ने जून 2024 में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा। अंत में द्रविड़ ने कहा कि कप्तान का काम दिशा तय करना है और कोच को उसे सपोर्ट करना चाहिए। रोहित के साथ यह बेहद सहज था, क्योंकि वह जानते थे कि उन्हें टीम से क्या चाहिए।

कब है 'ब्लैक मून'? क्या चांद का रंग होगा काला? आने वाली है तबाही? जानें सारे सवालों का जवाब

(जीएनएस)।

अंतरिक्ष में हर वक्त कुछ ना कुछ घटता रहता है, जिसका पृथ्वी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कनेक्शन जरूर होता है इस बार भी आने वाले शनिवार यानी कि 23 अगस्त को कुछ ऐसा होने वाला है, जिस पर दुनियाभर के वैज्ञानिकों की नजर है, आपने सही समझा यहां बात हो रही है 'ब्लैक मून' की, जो कि इस महीने की 23 तारीख को आने वाला है।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से 'ब्लैक मून' एक दुर्लभ खगोलीय घटना है, जो कि तब घटती है जब एक ही महीने में दो बार अमावस्या आती है। आमतौर पर एक महीने में केवल एक बार अमावस आती है लेकिन जब महीने में ये दो बार आए तो दूसरी अमावस्या को 'ब्लैक मून' कहा जाता है।

इ" टङ्कङ्कल्ल 2025

वैसे खगोल विज्ञान में 'ब्लैक मून' कोई आधिकारिक शब्द नहीं है लेकिन इसका इस्तेमाल कुछ खास तरह की चंद्र घटनाओं का वर्णन करने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है जो अक्सर नहीं होती है।

चंद्र चक्र की तीसरी अमावस्या कहलाती है हर ऋतु में तीन अमावस्याएं होती हैं लेकिन कभी-कभी, चंद्र चक्र के हमारे कैलेंडर के साथ तालमेल बिठाने के कारण, चौथी अमावस्या भी आ जाती है। जब ऐसा होता है, तो क्रम में तीसरी अमावस्या को 'ब्लैक मून' कहा जाता है।

क्या चांद सफेद से काला हो जाएगा?

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों-उपग्रह की चाल का असर मनुष्य के सीधे जीवन पर पड़ता है इसलिए जब इनकी चालों पर अंतर या परिवर्तन होता है तो उसे अच्छा नहीं मानते हैं। अब यहां पर बात 'काले चांद' की हो रही है, तो इसका अर्थ ये नहीं कि उस दिन चांद सफेद से काला हो जाएगा। ये तो 'मौसमी मून' के हिसाब से उसका नाम रखा गया है। काले रंग को लोग शोक या दुख से जोड़ लेते हैं, तो इसका अर्थ ये नहीं 23 अगस्त को कुछ विनाशकारी या अशुभ होने जा रहा है, इसलिए भयभीत होने की जरूरत नहीं है।

अमावस्या के दिन चांद नजर नहीं आता है

दरअसल जिस दिन अमावस्या होती है, उस दिन चांद आकाश में नजर नहीं आता है। पंचांग के मुताबिक अमावस्या चंद्रमास के अंतिम दिन होती है। अमावस्या को अंधकार की रात भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन चांद पृथ्वी से काफी दूर होता है, जिसके कारण उसका चमकीला हिस्सा धरती से दिखाई ही नहीं पड़ता है।

चंद्रमा लगभग 29.5 दिनों में पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है। जब किसी कैलेंडर माह में चंद्रमा का यह चक्र दो बार पूरा हो जाता है, तो उसी माह की दूसरी अमावस्या को 'ब्लैक मून 'कहा जाता है। ह घटना हर दो से तीन साल में एक बार घटित होती है।

'ब्लैक मून' को आत्मचिंतन, साधना और ध्यान के लिए सर्वोत्तम समय माना जाता है।

माना जाता है कि 'ब्लैक मून' का असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति, भावनाओं और निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ता है।

नहीं बंद हुई सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान', इस एक्टर ने खोल दिए सारे राज

(जीएनएस)।

सलमान खान की आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग को लेकर खूब अपडेट आए। यहां तक बताया गया कि उनकी फिल्म ठंडे बस्ते में जा सकती है। बंद होने की खबरें भी आईं। लेकिन इन सबके बीच फैंस के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। 20 अगस्त को फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग शुरू हो गई है।

फिल्म की शूटिंग लद्दाख के इलाके में शुरू हुई है। इसकी जानकारी फिल्म में काम कर रहे एक्टर अंकुर भाटिया ने दी है। इंस्टाग्राम में अंकुर ने लद्दाख के मैदान की वीडियो पोस्ट की है। जिसमें कई सारी गाड़ियां आती दिखाई दे रही हैं। वहीं दूसरी स्टोरी में उन्होंने बैटल ऑफ गलवान का क्लैप भी डाला है। जिसमें पहला दिन लिखा है।

लद्दाख में फिल्म का अहम पार्ट शूट होना था। इसके लिए सलमान खान ने कड़ी ट्रेनिंग भी ली है। लेकिन अभी वो इस शेड्यूल में जुड़े हैं कि नहीं। इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में सलमान खान-चित्रांगदा सिंह के अलावा अंकुर भाटिया और साकिब सलीम भी हैं। बीते दिनों बताया गया था कि सलमान की फिल्म 2020 में गलवान वैली में हुई उस हिंसक झड़प पर बेस्ड है। जिसमें भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों से लड़ाई हुई थी। एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया कि सलमान की फिल्म आर्मी की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है। ये मुद्दा काफी सेंसेटिव है। इसलिए ये फिल्म बंद भी सकती है। हालांकि सलमान आर्मी के अफसरों से बातचीत कर रहे हैं। दूसरी रिपोर्ट में ये बताया कि मुंबई के बांद्रा में फिल्म के लिए जो सेट लगाया गया था उसे तोड़ा जा रहा है। सेट तोड़ने की खबर सही है। लेकिन सेट इसलिए तोड़ा गया है क्योंकि मेकर्स अभी फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशन पर करना चाहते हैं। ऐसे में स्टूडियो वाले सेट को तोड़ा है। अगर उन्हें जरूरत लगेगी, तो फिर से सेट बनाकर शूट करेंगे।

खैर फिल्म अगले साल मार्च या फरवरी में रिलीज हो सकती है। रिपोर्ट्स की माने तो इस बार सलमान ईद का इंतजार नहीं करेंगे। हालांकि अभी तक फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट नहीं अनाउंस हुई है।

'भारत आज भी, सारे जहां से अच्छा', शुभांशु शुक्ला का एक्जोम-4 मिशन में जलवा, स्पेस में गूंजा 'जय हिंद'

(जीएनएस)।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। कभी सीमित संसाधनों के साथ छोटे-छोटे प्रयोग करने वाला देश आज बड़े वैश्विक मिशनों में अपनी खास पहचान बना चुका है। इसरो की ऐतिहासिक उपलब्धियों से लेकर निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी तक, हर कदम भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में नई दिशा दे रहा है।

इसी कड़ी में एक्सिओम-4 मिशन भी एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ, जिसमें भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष की ऊंचाइयों पर भारत का परचम लहराया और वैज्ञानिक प्रयोगों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक काम किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में साउथ एशिया सैटेलाइट तैयार कर लॉन्च किया गया और इसे दक्षिण एशियाई देशों को उपहार में दिया गया। इसके अलावा, जी20 देशों के लिए भी जी20 सैटेलाइट को साकार किया गया।

नरायणन ने आगे कहा कि दस साल पहले भारत में अंतरिक्ष से जुड़ा केवल एक स्टार्टअप था, लेकिन आज देश में 300 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप काम कर रहे हैं। निजी कंपनियां भी आगे बढ़ रही हैं और दो सबऑर्बिटल

मिशन पूरे कर चुकी हैं।

शुभांशु शुक्ला ने शेयर किया अपना एक्सपीरियंस

एक्सिओम-4 मिशन के मिशन पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सरकार, इसरो और अपने सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि इस मिशन में वे फाल्कन-9 रॉकेट पर सवार होकर क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में अंतरिक्ष पहुंचे। उन्होंने कहा, "क्रू ड्रैगन दुनिया के उन तीन वाहनों में से एक है, जो इंसानों को अंतरिक्ष तक ले जा सकता है। मेरे पास मिशन पायलट की जिम्मेदारी थी, जहां मुझे कमांडर के साथ काम करते हुए क्रू ड्रैगन के सिस्टम से तालमेल बैठाना था।"

भारतीय वैज्ञानिकों के प्रयोगों को दी सफलता

शुक्ला ने बताया कि मिशन के दौरान भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए कई प्रयोग सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इसके अलावा, रळएट डेमो, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी जैसे काम भी किए गए, जिससे भारत के शोध को नया आयाम मिला।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

माननीय पीएम मोदी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात दौरे पर आएँगे

कडी-साबरमती के बीच पहली मेमू ट्रेन और बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात का दौरा करेंगे। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी दो महत्वपूर्ण नई रेल सेवाओं कडी और साबरमती के बीच पहली मेमू ट्रेन सेवा तथा बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी को अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे।

कलोल-कड़ी-कटोसन रोड मीटरगेज सेक्शन 15 सितंबर 2017 को ब्रॉड गेज में परिवर्तन हेतु बंद कर दिया गया था, जिस पर लगभग 8 साल के बाद पहली बार मीटर गेज से परिवर्तित ब्रॉडगेज लाइन पर कडी से साबरमती के बीच पहली मेमू ट्रेन की शुरूआत होने जा रही है जिससे अहमदाबाद, गांधीनगर और महेसाणा जिलों के रेल यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। यह ट्रेन सेवा दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, कार्यालय जाने वालों और स्थानीय उद्यमियों के लिए तेज, सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती यात्रा कराएगी। अहमदाबाद (साबरमती) से कड़ी के बीच यह ट्रेन बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगी, जहाँ वर्तमान में अहमदाबाद से कड़ी तक बस किराया ₹80 से ₹150 तथा टैक्सी भाड़ा ₹800 से ₹1200 के बीच है और यात्रा में 1 से 1.30 घंटे तक लगते हैं, वहीं यह नई ट्रेन सेवा यात्रियों का समय और धन दोनों बचाएगी।

साथ ही यह धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों तक पहुँच को सुगम बनाकर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को भी बढ़ाएगी। बेहतर यात्री संपर्क से स्थानीय व्यवसाय, व्यापारी और सेवा प्रदाता नए अवसरों से लाभान्वित होंगे, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी की शुरूआत गुजरात के औद्योगिक परिदृश्य में नई ऊर्जा का संचार करेगी। ऑटोमोबाइल निर्माण और संबद्ध उद्योगों का प्रमुख केंद्र होने के कारण, बेचराजी को अब बेहतर लॉजिस्टिक समर्थन तथा राज्य और देश के अन्य हिस्सों तक सुदृढ़ कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। यह सेवा परिवहन लागत घटाएगी, आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क का विस्तार करेगी और माल की तेज आवाजाही सुनिश्चित करेगी। इससे न केवल ऑटोमोबाइल और विनिर्माण क्षेत्र का विकास होगा बल्कि नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे।

ये दोनों रेल सेवाएँ मिलकर गुजरात में स्थायी, पर्यावरण-अनुकूल और तेज गति वाले परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में योगदान देंगी। यात्रा समय में कमी, कनेक्टिविटी में सुधार और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के साथ ये पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएंगी और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक लाभ सुनिश्चित करेंगी।

भारतीय रेलवे की यह पहल क्षेत्रीय विकास को गति देने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है और गुजरात की विकास यात्रा को नई दिशा प्रदान करेगी। साथ ही, यह 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन में भी अहम योगदान देगी।

ताम्बरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 22663/22664 ताम्बरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार हैः-

23 अगस्त, 2025 को ताम्बरम से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22663 ताम्बरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन अमलनेर स्टेशन पर 14:45 बजे पहुँचेगी और 14:47 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, 26 अगस्त, 2025 को जोधपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22664 जोधपुर-ताम्बरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस को अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 16:16 बजे अमलनेर स्टेशन पहुंचेगी और 16:18 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सीएम गुप्ता पर हमले के बाद फटाफट दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर नियुक्त

(जीएनएस)।

दिल्ली में एक बड़े प्रशासनिक बदलाव के तहत, 1992 बैच के क्ढर अधिकारी सतीश गोलचा को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर उनके सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर जनसुनवाई के दौरान हुए हमले के ठीक एक दिन बाद, 21 अगस्त 2025 को की गई।

गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, 'सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से, सतीश गोलचा, क्ढर (AGMUT: 1992), जो वर्तमान में महानिदेशक (कारागार), दिल्ली के पद पर तैनात हैं, को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेश तक दिल्ली के पुलिस आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता है।' गोलचा, रइङ सिंह का स्थान लेंगे, जिन्हें 1 अगस्त 2025 को दिल्ली पुलिस का कार्यवाहक कमिश्नर बनाया गया था।

20 अगस्त 2025 को सुबह करीब 8:15 बजे, सिविल लाइंस में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान गुजरात के राजकोट से आए 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी भाई सकरिया ने उन पर हमला कर दिया। ऑटो चालक राजेश ने शिकायतकर्ता बनकर CM के आवास में प्रवेश किया और कथित तौर पर उन्हें धक्का दिया, बाल खींचे और थप्पड़ मारने की कोशिश की। मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम और वहां मौजूद लोगों ने उसे तुरंत पकड़ लिया।

उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 132 और 221 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस हमले ने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोलचा को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया।

कौन हैं सतीश गोलचा?

सतीश गोलचा, 1992 बैच के AGMUT (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर के IPS अधिकारी हैं, जिन्हें उनकी कठोर कार्यशैली और बेदाग छवि के लिए जाना जाता है। वर्तमान में वह महानिदेशक (कारागार), दिल्ली के पद पर तैनात थे, जिसका कार्यभार उन्होंने मई 2024 में संभाला था। गोलचा ने अपने करियर में दिल्ली पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है, जिनमें पुलिस उपायुक्त (DCP), संयुक्त आयुक्त (Joint CP), विशेष आयुक्त (स्पेशल उढ) और स्पेशल CP (इंटेलिजेंस) शामिल हैं।

गोलचा ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान स्पेशल उढ (कानून और व्यवस्था, जोन-2) के रूप में अपनी सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया था। उन्होंने फरवरी 2022 से जून 2023 तक अरुणाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (DGP) के रूप में भी कार्य किया। दिल्ली पुलिस में उनकी पिछली भूमिकाओं में इंटेलिजेंस ऑपरेशंस और आंतरिक सुरक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र शामिल रहे हैं, जिसके चलते उन्हें गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने का व्यापक अनुभव है। तिहाड़ जेल जैसे संवेदनशील कारागार का प्रबंधन करने का उनका अनुभव भी उनकी नियुक्ति के पक्ष में रहा।

रइङ सिंह का छोटा कार्यकाल

सतीश गोलचा से पहले रइङ सिंह, 1988 बैच के IPS अधिकारी, को 31 जुलाई 2025 को दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। यह नियुक्ति तत्कालीन कमिश्नर संजय अरोड़ा के रिटायरमेंट के बाद की गई थी। हालांकि, रइङ सिंह का कार्यकाल मात्र 21 दिन का रहा, जो दिल्ली पुलिस के इतिहास में सबसे छोटे कार्यकालों में से एक है। CM रेखा गुप्ता पर हमले के बाद उनकी सुरक्षा में चूक की जिम्मेदारी लेते हुए गृह मंत्रालय ने उन्हें हटाकर गोलचा को स्थायी कमिश्नर नियुक्त किया।

क्यों महत्वपूर्ण है यह नियुक्ति?

दिल्ली, एक रणनीतिक और संवेदनशील महानगर होने के नाते, पुलिस कमिश्नर का पद न सिर्फ प्रशासनिक, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक संतुलन के लिहाज से भी अहम है। गोलचा की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब दिल्ली में + सुरक्षा के बावजूद मुख्यमंत्री पर हमला हुआ, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। गोलचा के सामने चुनौती होगी कि वह दिल्ली की कानून-व्यवस्था को मजबूत करें, खासकर संगठित अपराध, साइबर फ्रॉड, और आतंकी खतरों जैसे मुद्दों पर। उनकी तिहाड़ जेल (Tihar Jail) में आपराधिक गिरोहों को नियंत्रित करने की क्षमता और इंटेलिजेंस ऑपरेशंस का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है।

आगे की राह

सतीश गोलचा की नियुक्ति दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके सामने तिहाड़ जेल में बढ़ती हिंसा, आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों, और साइबर अपराध जैसे मुद्दों से निपटने की चुनौती होगी। साथ ही, CM पर हमले के बाद दिल्ली पुलिस की जवाबदेही और सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा भी जरूरी है। गोलचा की अनुभवी और शांत नेतृत्व शैली से दिल्लीवासियों को एक सुरक्षित और व्यवस्थित राजधानी की उम्मीद है। क्या यह नियुक्ति दिल्ली की कानून-व्यवस्था को नई दिशा देगी? आप क्या सोचते हैं?

यूपीआई 3.0 खत्म करेगा कैश और फोन का झंझट ! जानें क्यों खास है यह अपग्रेड और कैसे बदल देगा आपकी लाइफस्टाइल?

(जीएनएस)।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) देश की डिजिटल पेमेंट व्यवस्था में एक और बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रहा है। ठढउक जल्द ही वढक 3.0 पेश करने जा रहा है, जो Internet of Things (IoT) तकनीक पर आधारित होगा।

इस अपग्रेड के बाद न सिर्फ स्मार्टफोन बल्कि आपके घर और कार में मौजूद स्मार्ट डिवाइस भी अपने आप पेमेंट करने लगेंगे। इसका मतलब है कि अब आपकी कार, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन या स्मार्टवॉच जैसे उपकरण खुद-ब-खुद बिल चुकाने और खरीदारी करने में सक्षम होंगे।

कैसे करेगा काम UPI 3.0?

UPI 3.0 मौजूदा फीचर्स जैसे UPI Autopay और UPI Circle पर आधारित होगा। इसमें IoT तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके जरिए इंटरनेट से जुड़े सेंसर और सॉफ्टवेयर अलग-अलग डिवाइसों को एक-दूसरे से जोड़ेंगे। उदाहरण के तौर परः

आपका फ्रिज दूध खत्म होने पर खुद ऑर्डर और पेमेंट कर देगा।

आपकी कार ईंधन भरवाने के तुरंत बाद भुगतान पूरा कर देगी।

स्मार्ट टीवी या स्मार्टवॉच से मासिक सब्सक्रिप्शन अपने आप कट जाएगा।

इस सुविधा के लिए यूजर अपने मुख्य वढक डिवाइस से किसी स्मार्ट डिवाइस को एक मैंडेट जारी करेंगे। इससे एक सेकेंडरी वढक कऊ बनेगी, जो आपके मुख्य खाते से जुड़ी होगी और निर्धारित सीमा के भीतर ही लेनदेन कर पाएगी।

अब UPI पेमेंट के लिए नहीं चाहिए PIN! बस करना होगा इतना सा काम, जानिए नया बायोमेट्रिक प्लान

अब वढक पेमेंट के लिए नहीं चाहिए ढक्ठ! बस करना होगा इतना सा काम, जानिए नया बायोमेट्रिक प्लान

UPI 3.0 Smart Device: सुरक्षा और प्राइवेसी

सूत्रों के मुताबिक, इस क्रांतिकारी अपग्रेड की आधिकारिक घोषणा अक्टूबर 2025 में मुंबई में होने वाले Global Fintech Fest के दौरान की जा सकती है। हालांकि, इसके लिए अभी नियामकीय मंजूरी का इंतजार है।

NPCI ने स्पष्ट किया है कि डेटा सुरक्षा और अनधिकृत लेनदेन से बचाव के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। हर डिवाइस के लिए अलग वढक कऊ होगी, जिससे किसी एक डिवाइस के डेटा से पूरा अकाउंट असुरक्षित नहीं होगा।

UPI 3.0 आखिर क्यों है खास?

भारत में वढक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में UPI के जरिए 185.8 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए, जो पिछले साल से 41.7% अधिक है। प्वक की रिपोर्ट बताती है कि देश में खुदरा भुगतानों का 83% हिस्सा UPI से किया जा रहा है। वहीं, वैश्विक स्तर पर भी ऑटोनॉमस पेमेंट्स मार्केट 2024 से 2032 के बीच 40% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है।

UPI 3.0 न केवल पेमेंट को और आसान बनाएगा, बल्कि इसे भविष्य की ऑटोमेटेड डिजिटल इकोनॉमी का हिस्सा भी बना देगा। आने वाले समय में यह अपग्रेड हमारे रोजमर्रा के जीवन को बदल देगा, जहां डिवाइस खुद हमारी जरूरतें पूरी करेंगे और पेमेंट भी बिना देरी के हो जाएगा।

14 सरकारी विधेयक पेश किए गए, 12 पारित हुए

(जीएनएस)।

21 अगस्त, 2025 (गुरुवार) को संसद के मानसून सत्र हंगामे के साथ संपन्न हो गया जैसा कि 21 जुलाई को शुरू हुआ था। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए। विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के बीच, ऑनलाइन गेमिंग विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित होने के बाद राज्यसभा को 10 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में मौजूद थे, जहां उनके आगमन पर सदन में जोरदार जयकारे लगे। इससे पहले, लोकसभा की कार्यवाही सुबह 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, जब विपक्ष ने बिहार में चुनावी सूचियों के पुनरीक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

41 घंटे 15 मिनट ही चला मानसून सत्र

मानसून सत्र केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चला। सदन का कामकाज केवल 38.88 प्रतिशत रहा जो बहुत निराशाजनक है। उपसभापति हरिवंश ने बताया कि ने बताया कि लगातार गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही में व्यवधान आया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा हुई, जिसमें 64 सदस्यों ने भाग लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र की कार्यवाही समाप्त करते हुए विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शनों को सदन की कम उत्पादकता का कारण बताया। विपक्ष बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा।

14 सरकारी विधेयक पेश किए गए, 12 पारित हुए

स्थगित करने से पहले, स्पीकर ने इस सत्र के दौरान हुए कामकाज की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सत्र में कुल 14 सरकारी विधेयक पेश किए गए, जिनमें से 12 पारित हुए। उन्होंने 28 और 29 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर हुई विशेष चर्चा का भी जिक्र किया, जिसका समापन प्रधानमंत्री के जवाब के साथ हुआ।

केवल 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर दिए जा सके

स्पीकर ने 18 अगस्त 2025 को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर शुरू हुई विशेष चर्चा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सत्र में मौखिक उत्तर के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे, लेकिन केवल 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर दिए जा सके।

37 घंटे ही चर्चा हो पाई

बिरला ने कहा कि सत्र की शुरूआत में सभी ने सदन में 120 घंटे चर्चा करने का तय किया था, जिस पर बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में भी सहमति बनी थी। हालांकि, नियोजित व्यवधान और लगातार गतिरोध के कारण केवल 37 घंटे ही चर्चा हो पाई।

सत्र के पहले ही दिन धनखड़ के इस्तीफा

सत्र के पहले ही दिन पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से मामला और बिगड़ गया, जिससे अटकलें तेज हो गईं और पद के लिए अप्रत्याशित चुनाव की आवश्यकता पड़ी। जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा, उनके पांच साल के कार्यकाल में दो साल शेष रहते हुए, स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए, गहन अटकलों और षड्यंत्र सिद्धांतों को जन्म दिया। धनखड़ वीवी गिरी और आर वेंकटरमन के बाद अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले इस्तीफा देने वाले केवल तीसरे उपराष्ट्रपति हैं।

बिहार रक्फ़पर पूरे सत्र में जमकर हुआ हंगामा

विपक्ष ने चुनाव वाले बिहार में विशेष गहन संशोधन (रक्फ़) पर कोई रियायत नहीं दिखाई। पहले दिन से ही पूरे सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन का एसआईआर के खिलाफ संसद के अंदर और बाहर तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रखा, ईसीआई पर "वोट चोरी" का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, आप सांसद संजय सिंह ने जमकर रक्फ़ का विरोध किया। भाजपा विरोधी गुट ने "वोट चोरी बंद करो" लिखे बैनरों के साथ भी विरोध प्रदर्शन किया, और चल रहे मतदाता सूची के संशोधन को "साइलेंट इनविजिबल रिगिंग" बताया।

यशवंत वर्मा पर महाभियोग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने "कैश-एट-होम" विवाद के संबंध में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। इस पैनल में कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पीवी आचार्य एक न्यायविद् सदस्य के रूप में शामिल होंगे। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव समिति के अन्य सदस्य हैं।

लोकसभा में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन विधेयकों का एक सेट पेश किया, जो प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और केंद्र तथा राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में मंत्रियों के अनिवार्य इस्तीफे या निष्कासन का प्रावधान करता है, यदि वे पांच साल या उससे अधिक के कारावास के दंडनीय अपराधों के आरोप में 30 लगातार दिनों तक गिरफ्तारी या हिरासत में रहे हों।

हालांकि, ऐसा कुछ भी ऐसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को हिरासत से रिहा होने पर राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा बाद में उसी पद पर नियुक्त होने से नहीं रोकेगा। संशोधनों का समय, संसद के मानसून सत्र के अंत से दो दिन पहले, और उनके निहितार्थों ने राजनीतिक हलकों को आश्चर्यचकित कर दिया।

ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक

संसद ने गुरुवार को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया, जिसमें राज्यसभा ने हंगामे के बीच बिना बहस के इसे मंजूरी दी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश किया गया यह विधेयक ऑनलाइन मनी गेम्स के सभी रूपों पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करता है, जबकि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देता है।

विपक्ष के सदस्यों द्वारा लाए गए संशोधनों को खारिज करने के बाद ऊपरी सदन द्वारा इसे मंजूरी दी गई। यह विधेयक लोकसभा द्वारा बुधवार को पारित किया गया था। यह ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित विज्ञापनों पर भी रोक लगाने और बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे किसी भी खेल के लिए धन की सुविधा या हस्तांतरण करने से रोकने का प्रयास करता है। ऑनलाइन मनी गेम्स पैसे जमा करके खेले जाते हैं, जिसमें मौद्रिक और अन्य पुरस्कार जीतने की उम्मीद होती है।

प्रेमी के घर से युवती की क्यों लगाई छलांग, जानिए पूरा मामला, धोखे और मारपीट की दर्दनाक कहानी

(जीएनएस)।

खरगोन की रहने वाली 24 वर्षीय युवती (नाम गोपनीय) बुधवार रात, 20 अगस्त 2025 को अपने प्रेमी आवेश खान के घर इंदौर के सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र में पहुंची।

सूत्रों के अनुसार, युवती और आवेश पिछले कुछ सालों से रिलेशनशिप में थे। लेकिन हाल ही में युवती को पता चला कि आवेश ने किसी दूसरी युवती से शादी कर ली है। इस बात से आहत और गुस्से में भरी युवती ने आवेश से जवाब मांगने के लिए उसके घर का रुख किया।

कहासुनी और मारपीट का दौर

युवती के मुताबिक, आवेश के घर पहुंचने पर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। युवती ने आवेश पर धोखा देने और दूसरी शादी करने का आरोप लगाया। बात इतनी बढ़ गई कि आवेश ने गुस्से में युवती का मुंह दबाकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस को दिए बयान में युवती ने बताया कि आवेश ने उसे थप्पड़ मारे और उसका गला दबाने की कोशिश की। इस दौरान घर में मौजूद आवेश की दूसरी पत्नी को देखकर युवती का गुस्सा और भड़क गया। उसने हंगामा शुरू कर दिया और आवेश को सबक सिखाने का मन बना लिया।

तीसरी मंजिल से छलांगः जान पर बन आई

हंगामे के बीच युवती ने आवेश का हाथ पकड़ा और उसे जबरन घर की तीसरी मंजिल की छत पर ले गई। गुस्से और आवेश में भरी युवती ने वहां से छलांग लगा दी। यह दृश्य दिल दहलाने वाला था। लेकिन छलांग लगाने के दौरान वह पास की बिजली की तारों में उलझ गई, जिसके कारण उसकी जान बच गई। हालांकि, इस हादसे में उसके हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवती का शरीर तारों में कुछ देर तक लटका रहा, जिसके बाद वह नीचे गिर गई।

अस्पताल और प्रेमी का परिवारः भागने की कहानी

घटना के तुरंत बाद आवेश और उसके परिवार ने युवती को पास के अर्पण अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही परिवार वहां से भाग निकला। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आवेश ने इस दौरान युवती के मोबाइल से कुछ चैट्स और अन्य डेटा डिलीट करने की कोशिश की, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। अस्पताल में मौजूद बजरंग दल के कार्यकताओं को इस घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

पुलिस जांच और वायरल वीडियो

सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत जांच शुरू कर दी। घटना का एक वीडियो, जो पास के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो में युवती को छत से कूदते और तारों में उलझते देखा जा सकता है। पुलिस ने इस वीडियो को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है। सेंट्रल कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि युवती के बयान दर्ज किए गए हैं और आवेश के खिलाफ मारपीट और धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

युवती का बयानः धोखे और विश्वासघात की कहानी

पुलिस को दिए अपने बयान में युवती ने बताया कि वह और आवेश पिछले तीन साल से रिलेशनशिप में थे। आवेश ने उससे शादी का वादा किया था, लेकिन हाल ही में उसे पता चला कि आवेश ने दूसरी युवती से शादी कर ली। इस धोखे से आहत होकर वह जवाब मांगने आवेश के घर गई थी। युवती ने यह भी बताया कि मारपीट के दौरान उसने गुस्से में छलांग लगाने का फैसला किया, लेकिन उसका इरादा आत्महत्या का नहीं था। वह केवल आवेश को अपनी पीड़ा का अहसास कराना चाहती थी।

इस घटना ने स्थानीय स्तर पर हंगामा मचा दिया है। बजरंग दल और अन्य संगठनों ने इस मामले को 'लव जिहाद' से जोड़कर प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने इस मामले को और तूल दे दिया है। कई यूजर्स ने युवती के साथ सहानुभूति जताई, तो कुछ ने आवेश और उसके परिवार की कड़ी निंदा की। एक ट्वीट में लिखा गया, "प्रेम के नाम पर धोखा और हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।"

पुलिस की कार्रवाई और आगे की जांच

सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने आवेश और उसके परिवार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस ने आवेश के घर की तलाशी ली और कुछ सबूत जमा किए

शाहरुख खान के बेटे की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में क्या होगा खास, दिग्गज स्टार करेंगे कैमियो

(जीएनएस)।

शाहरुख खान की बेटे की वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रिलीज होने के लिए तैयार है। इस सीरीज के साथ आर्यन खान अपना डिजिटल डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने इस सीरीज को लिखा और डायरेक्ट किया है। बीते दिनों इसका प्रीव्यू रिलीज किया गया। जिसके लॉन्च में शाहरुख खान, उनकी पत्नी गौरी खान और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की स्टारकास्ट भी मौजूद रही।

इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आर्यन खान की सीरीज आपको कब और कहां देखने को मिलेगी। इसके अलावा शो में कई बड़े स्टार्स की भी एंट्री होगी। कुछ का चेहरा हमने सीरीज के प्रीव्यू में देख लिया है।

आर्यन का यह शो नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर, 2025 को स्ट्रीम होगा। जिसमें लीड रोल में लक्ष्य ललवानी (किल फेम) आसमान सिंह के किरदार में नजर आएंगे। उनके अपोजिट सहेर बाम्बा होंगी, जो उनकी प्रेमिका का किरदार दिखाई देंगी। बॉबी देओल सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका में हैं। राघव जुयाल लक्ष्य के बेस्ट फ्रेंड बने हैं। इसके पहले दोनों किल में भी साथ में कर चुके हैं। वहीं, मोना सिंह उनकी मां के रोल में नजर आएंगी। इन सबके अलावा सीरीज में मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, अन्या सिंह, गौतमी कपूर और राजत बेदी भी अहम रोल में दिखाई देंगे।

अब बात करते हैं शो में बॉलीवुड के जिन सुपरस्टार्स का कैमियो है। इसमें सलमान खान, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर, करण जौहर जैसे सितारे इसमें नजर आएंगे। सारा अली और इब्राहिम के भी होने की खबरें हैं। सीरीज का सबसे बड़ा सरप्राइज यह है कि शाहरुख खान खुद भी आखिरी एपिसोड में नजर आएंगे।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' एक ड्रामा सीरीज है। इसकी कहानी बॉलीवुड में आउटसाइडर और उसके दोस्तों के संघर्ष पर आधारित है। जो बॉलीवुड की चकाचौंध और राजनीति के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करते हैं। इस सीरीज को "बॉलीवुड के लिए एक रोस्ट और टोस्ट" के रूप में बताया जा रहा है।

यू.पी. योद्धाज पीकेएल सीजन 12 के लिए तैयार – मजबूत कोर, नई नेतृत्व टीम और सफलता की प्रबल इच्छा के साथ

जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी झ 'हम हर साल यू.पी. योद्धाज में नए हीरो बनाने का लक्ष्य रखते हैं और इस सीजन में और भी हीरो बनाने की उम्मीद है।'

मुख्य कोच जसवीर सिंह झ 'हमने एक ऐसी टीम बनाई है जिसमें अनुभव और नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का संतुलन है।'

लखनऊ, 21 अगस्तः जीएमआर स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली यू.पी. योद्धाज ने आज लखनऊ में आयोजित जर्सी अनावरण कार्यक्रम में आगामी प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए अपनी नई जर्सी पेश की।

योद्धाज ने एक बार फिर जीएमआर स्पोर्ट्स की मूल दर्शनशैली को दोहराया—प्रतिभा को संवारना, युवाओं को बढ़ावा देना और दीर्घकालिक उत्कृष्टता के दृष्टिकोण के साथ टीमों का विकास करना। इसी दर्शन के अनुरूप, टीम ने सुमित सांगवान को कप्तान और आशु सिंह को उप-कप्तान नियुक्त किया है, जो दोनों सीजन 7 से इस फ्रैंचाइजी से जुड़े हुए हैं।

जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, "हमारी सोच हमेशा टीम में निरंतरता और सकारात्मक माहौल बनाए रखने की रही है। हम युवा प्रतिभाओं को अवसर देने और दीर्घकालिक दृष्टि से टीम बनाने में विश्वास करते हैं। जैसे ही यू.पी. योद्धाज नए सीजन में कदम रख रहे हैं, हम इसी सकारात्मक सोच और अपनी अटूट प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते रहेंगे।'

मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा,'हमने एक ऐसी टीम बनाई है जो अनुभव और नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच संतुलन स्थापित करती है। हमारा ध्यान युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास के साथ स्वतंत्रता से खेलने का मौका देने पर रहा है, वहीं वरिष्ठ खिलाड़ी उन्हें मार्गदर्शन और स्थिरता प्रदान करेंगे। हम अच्छी तैयारी कर रहे हैं और मजबूत प्रदर्शन के लिए आश्वस्त हैं।'

नवनियुक्त कप्तान और स्टार डिफेंडर सुमित सांगवान ने कहा, 'सीजन 12 में यू.पी. योद्धाज का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। टीम ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसे मैं मैट पर मजबूत प्रदर्शन देकर लौटाना चाहता हूँ। हमारी टीम एकजुट है और प्रशंसकों के समर्थन के साथ हम इस सीजन को यादगार बनाने के लिए दृढ़संकल्प हैं।'

इस सीजन में योद्धाज ने अपने 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जिससे टीम का कोर मजबूत बना हुआ है, वहीं नीलामी से कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को जोड़कर टीम को और भी सशक्त बनाया गया है। आशु सिंह उप-कप्तान के रूप में सुमित के साथ मिलकर मैट पर टीम की रीढ़ को मजबूत करेंगे।

इसके अलावा, युवा योद्धाज (टीम की विकासात्मक इकाई) से छह खिलाड़ियों को पदोन्नत किया गया है। ये खिलाड़ी यू.पी. योद्धाज अकादमी में प्रशिक्षण पाते हैं, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और विश्वस्तरीय ट्रेनिंग प्रदान करती है। यह अकादमी उत्तर प्रदेश भर से कबड्डी की प्रतिभाओं को निखारकर टीम के दीर्घकालिक विजन को आगे बढ़ा रही है।

यू.पी. योद्धाज 30 अगस्त (शनिवार) को राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम, विशाखापट्टनम में तेलुगू टाइटन्स के खिलाफ अपना सीजन ओपनर खेलेंगे।

भाजपाइयों ने पुण्यतिथि पर पूर्व सीएम कल्याण सिंह को समर्पित की श्रद्धांजलि

(जीएनएस)।

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राजस्थान के पूर्व राज्यपाल साथ ही श्री राम मंदिर आंदोलन के नायक रहे कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया सर्वप्रथम अवध क्षेत्र की क्षेत्रीय महामंत्री नीरज वर्मा व जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए तत्पश्चात जिला पदाधिकारियों ने कल्याण सिंह के सम्मान में अपनी बात रखी इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री नीरज वर्मा ने बताया कि कल्याण सिंह केवल एक नेता नहीं वह प्रदेश और देश के करोड़ों करोड़ों कार्यकताओं के अभिभावक थे आज उनकी पुण्यतिथि पर हम सब उन्हें श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं भारतीय जनता पार्टी कल्याण सिंह के आदर्शों पर चल के आज विश्व की सबसे बड़ी

पार्टी बन चुकी है। अपने उद्बोधन में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया की कल्याण सिंह कोई साधारण व्यक्तित्व नहीं थे बल्कि वह अवतार पुरुष थे प्रभु श्री राम के मंदिर आंदोलन में उनकी जो भूमिका है सनातन समाज सदियों तक उसे याद रखेगा आज कल्याण सिंह जी की खींची हुई भारतीय जनता पार्टी रूपी बगिया पूरे देश में हरी-भरी दिख रही है भारतीय जनता पार्टी कल्याण सिंह जी के आदर्शों को आत्मसात करके आज सनातन के गौरव को पूरी दुनिया में चमकाने का कार्य कर रही है।

जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हिंदू हृदय सम्राट के रूप में कल्याण सिंह को अपना आदर्श मानती है और सनातन की रक्षा के लिए उनके द्वारा दिया गया मूल मंत्र आज भारतीय जनता पार्टी का स्थाई एजेंडा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा सनातन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही साथ उन्होंने बाबूजी को श्रद्धांजलि समर्पितकी।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।।

अदंमऊ माइनर में खड़ी झाड़ियां किसानों के लिए बन रही है मुसीबत का सबब

सूखती फसलो को बचाने के लिए किसानों ने चंदा इकट्ठा कर शुरू किया माइनर की सफाई का काम

खखरेरू /फतेहपुर क्षेत्र के अन्नदाताओं की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही एक तरफ विद्युत विभाग की अघोषित विद्युत कटौती तो दूसरी तरफ माइनर में खड़ी बड़ी-बड़ी घास एवं झाड़ियां किसानों के लिए

अपनी फसलों को बचाना किसी भारी चुनौती से कम नहीं है जयरामपुर से अदंमऊ तक 1400 मीटर लंबी माइनर में इस समय पूरी तरह से घास एवं झाड़ियां का कब्जा जिसके कारण गुरगौला जयरामपुर गहबरपुर कालूपुर सहित आधा दर्जन गांव के किसानो की हजारों हेक्टर फसल पानी न मिल पाने से बर्बाद होने की कगार में पहुंच गई थी फसल बचाने के लिए किसानों ने आपस में चंदा इकट्ठा करके माइनर में खड़ी झाड़ियां की साफ सफाई का कार्य शुरू करवाया किसानों में सतेंद्र सिंह शिवनाथ सिंह मोहन सिंह नरेंद्र सिंह संतोष सिंह पथरूलाल सुनील सिंह मेघनाथ सिंह अनिल कुमार निरंजन रवि करण सिंह कौशल कुमार सहित दो दर्जन से अधिक किसानों ने जयरामपुर से अदंमऊ टेल तक पानी ले जाने के लिए साफ सफाई का कार्य शुरू कर दिया है वहीं किसानों ने बताया कि एक साल पहले नहर विभाग की तरफ से माइनर की आधी अधूरी सफाई करके छोड़ दिया गया था जिसके कारण माइनर में पानी नहीं आ रहा था जिसके शिकायत नहर विभाग के कर्मचारियों से किसानों द्वारा की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई इसके बाद किसान स्वयं माइनर की सफाई करने को मजबूर है इस संबंध में नहर विभाग के अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया की नहर की सिल्ट सफाई का कार्य अक्टूबर नवंबर में प्रत्येक वर्ष किया जाता है जेई साहब ने रवि एवं खरीफ की फसल की सिंचाई का दावा किया अगर जेई साहब के हिसाब से माइनरों में पानी बराबर जा रहा है तो ग्रामीणों को चंदा इकट्ठा करके माइनर के अंदर की झाड़ियां व घास को हटाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

खाली प्लॉटों में गंदगी और जलभराव मिला तो निगम लगाएगा जुमार्ना

मथुरा (जीएनएस)। नगर निगम प्रशासन ने स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अब महानगर में खाली पड़े प्लॉटों पर विशेष नजर रखना शुरू कर दिया है। अगर किसी खाली प्लॉट में कूड़ा, गंदगी या जलभराव मिला तो प्लॉट स्वामी पर 5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा। जानकारी के अनुसार नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्वास्थ्य विभाग की सभी टीमों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में खाली पड़े प्लॉटों की नियमित निगरानी करें। कहा कि अगर किसी भी तरह की गंदगी, कूड़ा या जलभराव मिलने पर तुरंत संबंधित प्लॉट स्वामी पर कार्रवाई करके जुमार्ना लगाएं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी के साथ नगर आयुक्त ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वह अपने प्लॉट को साफ रखें और शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में नगर निगम प्रशासन का सहयोग करें। वहीं नगर निगम प्रशासन के मुताबिक मथुरा-वृंदावन नगर निगम क्षेत्र में करीब 1 लाख से अधिक खाली प्लॉट हैं, जिनमें कई वर्षों से कोई निर्माण नहीं हुआ है। इन स्थानों पर गंदगी जमा होने से न केवल बदबू और प्रदूषण फैलता है, बल्कि मच्छरों के प्रजनन से डेंगू, संचारी रोग, मलेरिया समेत अन्य बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। बताया गया कि अगर कोई प्लॉट मालिक जुमार्ना राशि का भुगतान करने से इंकार करेगा तो यह बकाया उसकी प्रॉपर्टी आईडी में जोड़ दिया जाएगा। इसके बाद उस पर एनडीसी (नो ड्यूज सर्टिफिकेट) जारी नहीं होगी और बकाया चुकाए बिना वह प्रॉपर्टी टैक्स भी जमा नहीं कर सकेगा। इसी के साथ बकाया राशि पर डेढ़ प्रतिशत ब्याज भी लगाया जाएगा।

फामिशा प्रोडक्शन्स की नई फिल्म 'अविराम' की घोषणा

(लखनऊ, 21 अगस्त 2025) – प्रतिष्ठित फिल्म प्रोडक्शन कंपनी फामिशा प्रोडक्शन्स ने आज लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी आगामी फिल्म 'अविराम' की आधिकारिक घोषणा की।

इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक अखिलेश कुमार उपाध्याय करेंगे। फिल्म के निमार्ता समिक्षा यादव और मेराज हैं, जबकि कहानी और पटकथा का लेखन प्रतिभाशाली लेखक वेदान ने किया है।

निमार्ताओं ने बताया कि 'अविराम' एक सशक्त और अलग विषय पर आधारित फिल्म होगी, जो दर्शकों को एक अनोखा अनुभव प्रदान करेगी। फिल्म की स्टारकास्ट अभी फाइनल नहीं की गई है, जिसका खुलासा जल्द ही किया जाएगा।

निर्देशक अखिलेश कुमार उपाध्याय ने कहा –"अविराममेरे लिए सिर्फ. एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर है। हम दर्शकों तक ऐसी कहानी पहुँचाना चाहते हैं, जो उन्हें भीतर तक छू ले।"

प्रोड्यूसर समिक्षा यादव और मेराज ने कहा –"हम इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हमारी कोशिश है कि दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव दिया जाए।"

फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी और रिलीज डेट की घोषणा भी समय आने पर की जाएगी ।

बेखौफ होकर नशा बेच रहे तस्कर, अधीनस्थ ही कर रहे अपने कमांडर के आदेश की अवेहलना : छटीकरा बना नशे की मंडी

मथुरा (जीएनएस)। जनपद में पुलिस की कमान बेशक ईमानदार और तेजतर्रार आईपीएस श्लोक कुमार के हाथों में है लेकिन एसएसपी के अधीनस्थ ही अपने कमांडर और सरकार की मंशा के विपरीत जाकर अवैध कार्य करा रहे हैं। एक ओर जहां देश के गृहमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभियान चलाकर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों पर प्रभावी अंकुश लगाकर नशे के काले कारोबार को बंद कराने के लिए देश एवं प्रदेश के शीर्ष अधिकारियों को आदेश दे चुके हैं तो वहीं दूसरी ओर जनपद में स्मैक तस्करों के हौंसले बुलंद हैं। स्मैक तस्कर बेखौफ होकर युवा पीढ़ी को स्मैक परोस रहे हैं, जिससे स्मैक का नशा युवा पीढ़ी को धीमे-धीमे मौत के करीब ले जा रहा है। स्मैक तस्करों और पुलिस की जुगलबंदी के कारण पुलिस के बड़े अफसर भी फेल होते दिख रहे हैं। ऐसा नहीं है कि संबंधित थाने की पुलिस को स्मैक तस्करों के बारे में जानकारी नहीं है, खबर तो सबकुछ है लेकिन महीने पर आने वाली नोटो की गड्डी के वजन में थाना प्रभारियों का ईमान दब चुका है। इस समय महानगर का थाना जैंत क्षेत्र

स्मैक तस्करों का प्रमुख गढ़ बन चुका है। थाना जैंत के छटीकरा में सुबह और शाम को स्मैक तस्करों की मंडी सजती है। छटीकरा में लाइन लगकर स्मैक तस्कर सरेआम तस्करी कर रहे हैं लेकिन जैंत पुलिस वर्तमान में धृतराष्ट्र बन चुकी है। सबकुछ पता होने के बाद भी जैंत पुलिस की चुप्पी भ्रष्टाचार और रिश्वत के खेल की कलई खोल रही है। बता दें कि तत्कालीन एसएसपी शैलेश पांडेय के निर्देश पर तत्कालीन एएसपी आईपीएस कुंवर आकाश सिंह ने एसओजी टीम और इंस्पेक्टर अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम को भेजकर छटीकरा में दबिश डलवाई थी। उस दौरान एसओजी टीम और इंस्पेक्टर अवधेश कुमार सिंह की टीम ने 7 स्मैक तस्करों को रंगेहाथ दबोचा था और स्मैक बरामद हुई थी। उस समय एएसपी कुंवर आकाश सिंह ने पकड़े गए स्मैक तस्करों से खुद पूछताछ की थी। इसके बाद तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेजा गया था, जबकि फुटकर में स्मैक बेचने वालों को बड़े स्तर पर तस्करी करने वाले दो तस्करों को पुलिस ने एफआईआर में फरार दशार्या था। किंतु इसके कुछ समय बाद एएसपी कुंवर आकाश सिंह को शासन ने एसपी ग्रामीण मुरादाबाद बना दिया था, इसके बाद पुलिस ने एफआईआर में फरार नामजद स्मैक के बड़े तस्करों को गिरफ्तार तक नहीं किया था। वर्तमान में छटीकरा ओवरब्रिज के पास भोर में और शाम को नशेबाजों के झुंड खड़े रहते हैं। किंतु जैंत पुलिस ऐसा दिखाती है कि उसे कुछ पता ही नहीं है। स्मैक के नशे से जहां युवाओं की मौत हो रही है तो वहीं युवाओं के परिवार भी बबार्दी की कगार पर पहुंच चुके हैं। इसीप्रकार थाना वृंदावन क्षेत्र, थाना कोतवाली, थाना गोविंदनगर, थाना रिफाइनरी, थाना गोवर्धन, थाना कोसीकलां, थाना बरसाना, थाना बल्देव और थाना हाईवे क्षेत्र में भी स्मैक तस्कर बेखौफ होकर स्मैक तस्करी कर रहे हैं। कई थाना क्षेत्रों में महिलाएं भी स्मैक और गांजा बेच रही हैं। पुलिस को सबकुछ पता है लेकिन अधिकांश थाना प्रभारी तो अपने कमांडर की नजर में नंबर बढ़ाने के लिए कुछ कार्रवाई करके बड़े स्तर के तस्करों को स्मैक तस्करी के लिए एक प्रकार से मौन स्वीकृति देते हैं। यही कारण है कि वर्तमान में स्मैक तस्करों के हौंसले बुलंद हैं।

अवैध मिट्टी खनन कर रहे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक लोडर को पुलिस ने पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित कोलाहर के पास अवैध मिट्टी खनन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक लोडर को पुलिस ने पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त करते हुए संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कई ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध तरीके से मिट्टी खनन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ कोलाहर क्षेत्र में पहुंच गए। उसी दौरान पुलिस को अवैध तरीके से मिट्टी खनन करके ट्रैक्टर-ट्रॉली जाते हुए दिखे तो पुलिस उस ओर चल दी। पुलिस को देखते ही अवैध खनन में लगे लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भाग गए। पुलिस ने अवैध मिट्टी खनन में लगे मिट्टी से भरे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक लोडर को कब्जे में ले लिया। पुलिस की कार्रवाई से अवैध मिट्टी खनन करने वाले लोगों में हड़कम्प मचा हुआ है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा डिजिटल एक्सेसिबिलिटी में 16वां एनसीपीईडीपी-एमफैसिस यूनिवर्सल डिजाइन पुरस्कार 2025 प्राप्त किया गया

21 अगस्त, 2025: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा रोल मॉडल कंपनियों और संगठनों की श्रेणी में 16वां एनसीपीईडीपी-एमफैसिस यूनिवर्सल डिजाइन पुरस्कार 2025 प्राप्त किया गया. यह पुरस्कार अपने केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) ऐप, दिव्यांग कर्मचारियों के लिए एक्सेसिबल डिजिटल लाइब्रेरी, डब्ल्यूसीएजी वैश्विक एक्सेसिबिलिटी मानक अनुसार बनाई गई कॉर्पोरेट वेबसाइट और अपनी व्यापक एक्सेसिबिलिटी पहल, यूनियन एक्सेस के माध्यम से डिजिटल एक्सेसिबिलिटी को आगे बढ़ाने में अभूतपूर्व कार्य के लिए दिया गया.

यह पुरस्कार भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माननीय सचिव, श्री राजेश अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया. नई दिल्ली में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में बैंक की ओर से यह पुरस्कार श्री संजय नारायण, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, दिल्ली और श्री जितेंद्र मणिराम, महाप्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई द्वारा प्राप्त किया गया.

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जिन्होंने दिव्यांगजनों के लिए सार्वभौमिक रूप से डिजाइन किए गए समावेशी वातावरण प्रदान करने में असाधारण योगदान दिया है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एक्सेसिबल नवाचारों और समावेशी डिजाइन कार्यप्रणालियों के लिए प्रतिबद्ध है जो सभी उपयोगकताओं को सशक्त बनाती हैं. यह पुरस्कार बैंकिंग को अधिक समावेशी बनाने के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दशार्ता है और सार्वभौमिक डिजाइन और एक्सेसिबल बैंकिंग नवाचारों में इसके नेतृत्व की पुष्टि करता है.

मुंबई हाईकोर्ट के आदेश पर पवई में झुग्गी हटाने की मनपा की कार्रवाई, विस्थापित परिवारों ने मांगा पुनर्वसन

(जीएनएस)।

मुंबई पवई के जय भीम नगर इलाके में वर्षों से बसे सैकड़ों परिवारों की झुग्गियां एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर बने अस्थायी झोपड़ों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। (हमारा महानगर रिपोर्ट के अनुसार) अदालत ने स्पष्ट किया था कि लोकहित और सुरक्षा के मद्देनजर अवैध झुग्गियों को हटाना अनिवार्य है, जिसके चलते बीएमसी ने पुलिस बंदोबस्त के बीच कार्रवाई को अंजाम दी है। विक्रोली आगार विभाग के पवई हिरानंदानी गेटवे प्लाजा सेंट्रल एवेन्यू रोड बायर हाउस पर झोपड़पट्टी हटाने का काम चल रहा था। इस दौरान पथराव की घटना होने से पुलिस ने रास्ता बंद कर दिया। इसके चलते बसों के मार्ग में बदलाव किया गया है।बस मार्ग क्रमांक 392 को आदी शंकराचार्य मार्ग से सीधे भेजा जा रहा है। बस मार्ग क्रमांक 423 और 409 भी

आदी शंकराचार्य मार्ग से होकर जाएंगे और आगे 392 के साथ शेट्टी हाईस्कूल से नियोजित मार्ग पर चलेंगे। इसी तरह बस मार्ग क्रमांक 602 को आदी शंकराचार्य मार्ग से गेटवे प्लाजा होते हुए सीधे भेजा जाएगा और फिर 392 के साथ बाएँ मुड़कर हिरानंदानी बस स्थानक तक ले जाया जाएगा। यह नई व्यवस्था दोपहर 1:45 बजे से लागू की गई है।करीब 650 परिवारों पर इस आदेश का सीधा असर पड़ा है। इन परिवारों ने पिछले वर्ष हुई तोड़फोड़ के बाद फुटपाथ पर अस्थायी छावनियां खड़ी कर ली थीं, जिन्हें अब हटाना पड़ा है। बस्तीवासियों का कहना है कि वे तीन दशकों से अधिक समय से यहां रह रहे हैं और उनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली बिल जैसे सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं, बावजूद इसके उन्हें अचानक बेदखल कर दिया गया। उनका आरोप है कि चुनावों के समय उन्हें वैध माना जाता है, लेकिन रहने का अधिकार देने के मामले में उन्हें ह्लअवैधह्ल करार दिया जाता हैहाईकोर्ट ने बीएमसी को यह भी निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों पर कार्रवाई के लिए विशेष सेल गठित किया जाए, जो हर वार्ड स्तर पर अतिक्रमण की पहचान और निष्कासन की प्रक्रिया को अंजाम देगा। वहीं, अदालत ने यह भी दोहराया कि पुनर्वसन नीति मानवीय दृष्टिकोण से लागू होनी चाहिए ताकि शहर के भीतर ही गरीब परिवारों को सुरक्षित आवास मिल सके, न कि उन्हें हाशिए पर धकेला जाए।बारिश के मौसम और आपसी टकराव की आशंका के कारण बीएमसी ने कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया। इससे पहले जून 2024 में जब झुग्गी हटाने की कोशिश की गई थी तो झुग्गीवासियों और पुलिस के बीच पथराव और लाठीचार्ज की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसके चलते कई लोग घायल हुए थे।

एंटी करप्शन ने बिजली कर्मी को घूस लेते पकड़ा: मुरादाबाद में 5500 रुपए रिश्वत लेते पकड़ा गया संविदा कर्मी; टीम देख क्लर्क मौके से भागा

(जीएनएस)।

मुरादाबाद में बिजली विभाग की टीम ने एक संविदा बिजली कर्मी को 5500 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। संविदा कर्मी ने जिस क्लर्क के लिए रिश्वत ली थी वो एंटी करप्शन टीम को देख मौके से फरार हो गया।घूस की ये रकम एक घरेलू कनेक्शन करने के नाम पर ली गई थी। एंटी करप्शन ब्यूरो ने रकम लेते पकड़े गए संविदा कर्मी अंकुश शर्मा और मौके से भागे क्लर्क राजीव सैनी के खिलाफ ऋक्रफ दर्ज कराई है।

जीआईसी सब स्टेशन का मामला

मामला मुरादाबाद में जीआईसी बिजली सब स्टेशन से जुड़ा है। मुगलपुरा जामा मस्जिद निवासी अफजाल हुसैन ने एंटी करप्शन ब्यूरो के दफ्तर में जाकर शिकायत की थी। उसने कहा था कि संविदा बिजली कर्मी अंकुश शर्मा 2 किलोवाट का घरेलू बिजली कनेक्शन कराने और मीटर जल्दी लगवाने के नाम पर 5 हजार रुपए रिश्वत मांग रहा है। इसके पहले वह 2 हजार रुपए ले चुका है।

शिकायतकर्ता अफजाल हुसैन ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निवारण संगठन से की थी। जिसके बाद घूसखोरों को पकड़ने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम गठित की गई। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे बिजली वितरण उपखंड जीआईसी मुगलपुरा मुरादाबाद के परिसर में राजीव सैनी लिपिक के कक्ष के अंदर से टीम ने संविदा कर्मी अंकुश शर्मा को रिश्वत लेते गिरफ्तार लिया। जबकि राजीव सैनी मौके से भाग गया।